दिनांक 13.05.2026 को अभियंता प्रमुख, सिंचाई सृजन, जल संसाधन विभाग, पटना की अध्यक्षता में मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, नालंदा, बिहारशरीफ/गया/भागलपुर/ डिहरी/औरंगाबाद परिक्षेत्राधीन 50 करोड़ रुपये से अधिक प्रगतिधीन योजनाओं से संबंधित समीक्षात्मक बैठक की कार्यवाही :–

मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, नालंदा, बिहारशरीफ परिक्षेत्राधीन

(i) गंगा जल आपूर्ति योजना के फेज–2 के पार्ट–1 के अन्तर्गत मधुवन जलाशय का निर्माण कार्य (क्षमता 27 MCM) एवं डिलिवरी सिस्टर्न का निर्माण कार्य।

मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, नालंदा, बिहारशरीफ द्वारा बताया गया कि योजना की भौतिक प्रगति 11.10 प्रतिशत है। योजनान्तर्गत 2.94 कि०मी० में मिट्टी बांध का निर्माण, 01 अदद् Surplus Weir, 02 अदद् Delivery Cisterns, 750 Rmt पाईप लाईन इत्यादि कार्य किया जाना है, जिसमें दोनों तरफ से उपलब्ध सरकारी भूमि एवं रैयतों की सहमति पर मिट्टी के बांध निर्माण का कार्य कराया जा रहा है, जिसमें COT का कार्य 630 मी० में पूर्ण एवं 400 मी० में प्रगति में है तथा रॉक टो का कार्य 300 मी० में पूर्ण एवं 100 मी० में प्रगति में है।

इस योजना हेतु कुल 525.939 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया जाना है। इसमें 255. 067 एकड़ रैयती भूमि तथा 26.57 एकड़ सर्वसाधारण भूमि को आपात प्रक्रिया (U/S–40) के अन्तर्गत अधिग्रहण किया जाना है, जिसके लिए सभी रैयतों को LPC निर्गत की जा रही है।

इस योजना अन्तर्गत 14.297 एकड़ आवासीय भूमि का अधिग्रहण हेतु SIA का अंतिम प्रतिवेदन प्राप्त किया जाना है। मधुवन एवं मोतनाजे ग्राम को पुनर्वासन हेतु स्थल चयन करने की कार्रवाई की जा रही है।

इस योजना के लिए वित्तीय वर्ष 2026–27 में 15.95 करोड़ का आवंटन उपलब्ध कराया गया है, जिसका शतप्रतिशत व्यय कर लिया गया है।

(अनुपालनः– मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, नालंदा, बिहारशरीफ/अधीक्षण अभियंता, सिंचाई अंचल, नालंदा, बिहारशरीफ/कार्यपालक अभियंता, सिंचाई प्रमंडल, घोषी)

(ii) मंडई वीयर एवं उससे निकलने वाली दायां एवं बायां मुख्य नहर प्रणाली तथा संरचनाओं के निर्माण कार्य।

मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, नालदां, बिहारशरीफ द्वारा बताया गया कि योजना की भौतिक प्रगति 77.88 प्रतिशत है। योजनांतर्गत 52.342 कि०मी० नहर में मिट्टी कार्य कराया जाना प्रावधानित है, जिसके विरूद्ध 37.877 कि०मी० में कार्य कराया गया है। साथ ही कुल 141 संरचनाओं के विरूद्ध 31 अदद् संरचनाओं का कार्य पूर्ण कराया गया है एवं 15 अदद् संरचनाओं में कार्य प्रगति पर है। योजनांतर्गत कुल 18.65 एकड़ बकास्त भूमि का रैयतीकरण किया जाना है, जिसमें से 9.49 एकड़ भूमि का रैयतीकरण किया गया है।

निदेश दिया गया कि पर्याप्त मात्रा में मानव बल एवं मशीनरी लगाते हुए योजना में विशेष प्रगति लाते हुए इसे ससमय पूर्ण किया जाय। साथ ही मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, नालदां, बिहारशरीफ को निदेशित किया गया कि शेष बकास्त भूमि का रैयतीकरण हेतु जिला पदाधिकारी, जहानाबाद से समन्वय स्थापित किया जाय।

(अनुपालनः– मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, नालंदा, बिहारशरीफ/अधीक्षण अभियंता, सिंचाई अंचल, नालंदा, बिहारशरीफ/कार्यपालक अभियंता, सिंचाई प्रमंडल, घोषी)

(iii) प्रगति यात्रा के दौरान की गयी घोषणा के आलोक में नालंदा जिलांतर्गत सिंचाई प्रमंडल, बिहारशरीफ के अधीन पंचाने सिंचाई योजना का पुनर्स्थापन कार्य का विस्तृत योजना प्रतिवेदन।

मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, नालदां, बिहारशरीफ द्वारा बतलाया गया कि इस योजना की भौतिक प्रगति 49.0 प्रतिशत है। इस योजनांतर्गत कुल 07 अदद् नहरों में कार्य कराया जा रहा है एवं इसे ससमय पूर्ण करा लिया जायेगा। निदेश दिया गया कि कराये जा रहे लाईनिंग कार्य की समुचित क्योरिंग सुनिश्चित की जाय तथा कार्य निर्धारित समय सीमा के अन्दर विशिष्टि एवं गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराया जाय।

(अनुपालनः— मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, नालंदा, बिहारशरीफ /अधीक्षण अभियंता, सिचांई अंचल, नालंदा, बिहारशरीफ/कार्यपालक अभियंता, सिंचाई प्रमंडल, बिहारशरीफ)

(iv) प्रगति यात्रा के दौरान की गयी घोषणा के आलोक में सिंचाई प्रमंडल, शेखपुरा अन्तर्गत सकरी सिंचाई योजना के वाजिदपुर से निःसृत मिरजैन नहर प्रणाली (0.00 कि०मी० से 28.20 कि०मी०), बरगैन वितरणी (0.00 कि०मी० से 11.50 कि०मी०) एवं मिरजैन वितरणी के 10.00 कि०मी० से निःसृत तेउसाईन ब्रांच कैनाल (0.00 कि०मी० से 8.00 कि०मी०) एवं बरगैन वितरणी के 6.50 कि०मी० से निःसृत ओनामा वितरणी (0.00 कि०मी० से 12.00 कि०मी०) तक का पुनर्स्थापन एवं लाईनिंग कार्य।

मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, नालदां, बिहारशरीफ द्वारा बतलाया गया कि इस योजना की भौतिक प्रगति 15.10 प्रतिशत है, जो कि वर्क्स प्रोग्राम के सापेक्ष काफी कम है। इस योजनांतर्गत कुल 11 नहरों में कार्य कराया जाना है, जिसमें से 05 नहरों में पुनर्स्थापन/लाईनिंग कार्य एवं शेष नहरों में पुनर्स्थापन कार्य कराया जाना है। योजनांतर्गत 78.90 कि०मी० में मिट्टी कार्य एवं 53.74 कि०मी० लाईनिंग कार्य कराया जाना प्रावधानित है, जिसके विरूद्ध 43.60 कि०मी० में मिट्टी कार्य एवं 2.60 कि०मी० में लाईनिंग कार्य कराया गया है। साथ ही कुल 47 संरचनाओं के विरूद्ध 04 अदद् संरचनाओं का कार्य पूर्ण एवं 16 अदद् संरचनाओं में कार्य प्रगति पर है।

निदेश दिया गया कि पर्याप्त मात्रा में मानव बल एवं मशीनरी लगाते हुए वर्क्स प्रोग्राम के अनुरूप कार्य में वांछित प्रगति प्राप्त की जाय। विशेषकर संरचना का कार्य समानुपातिक रूप से कराया जाय तथा कार्य में अपेक्षित तेजी लाकर निर्धारित समय सीमा के अन्दर कार्य विशिष्टि एवं गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराया जाय।

(अनुपालनः— मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, नालंदा, बिहारशरीफ /अधीक्षण अभियंता, सिचांई अंचल, नालंदा, बिहारशरीफ/कार्यपालक अभियंता, सिंचाई प्रमंडल, शेखपुरा)

मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, गया परिक्षेत्राधीन

(i) प्रगति यात्रा के दौरान की गयी घोषणा के आलोक में गया जिलान्तर्गत ईमामगंज प्रखंड के बीकोपुर पंचायत में मोरहर नदी पर कोठी वीयर के निर्माण एवं इससे निःसृत पईन के पुनर्स्थापन कार्य।

मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, गया द्वारा बतलाया गया कि इस योजना की भौतिक प्रगति 41.00 प्रतिशत है। योजनांतर्गत वीयर भाग एवं बायें अंडरस्लूईस भाग में कार्य कराया जा

रहा है। डिभाईड वॉल के फाउंडेशन एवं बायां एफ्लक्स बांध में भी कार्य प्रगति पर है। इसपर निदेश दिया गया कि संवेदक से प्राप्त वर्क्स प्रोग्राम के अनुरूप कार्य में अपेक्षित तेजी लाकर निर्धारित समय सीमा के अन्दर कार्य विशिष्टि एवं गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराया जाय।

(अनुपालनः— मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, गया/अधीक्षण अभियंता, सिचांई अंचल, गया/कार्यपालक अभियंता, सिंचाई प्रमंडल, गया)

(ii) प्रगति यात्रा के दौरान की गयी घोषणा के आलोक में गया जिलान्तर्गत बतसपुर वीयर योजना अंतर्गत मोराटाल मुख्य पईन का चौड़ीकरण, विस्तारीकरण तथा पुनर्स्थापन कार्य।

मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, गया द्वारा बतलाया गया कि इस योजना की भौतिक प्रगति 16.50 प्रतिशत है। योजनांतर्गत 20.33 कि०मी० लाईनिंग कार्य कराया जाना प्रावधानित है, जिसके विरूद्ध 03 कि०मी० में लाईनिंग का कार्य कराया गया है। साथ ही 31 अदद् नये संरचनाओं का निर्माण तथा 22 अदद् संरचनाओं की मरम्मति का कार्य कराया जाना है, जिसकी प्रगति काफी धीमी है।

निदेश दिया गया कि पर्याप्त मात्रा में मानव बल एवं मशीनरी लगाते हुए वर्क्स प्रोग्राम के अनुरूप कार्य में वांछित प्रगति प्राप्त की जाय। विशेषकर संरचना का कार्य समानुपातिक रूप से कराया जाय तथा कार्य में अपेक्षित तेजी लाकर निर्धारित समय सीमा के अन्दर कार्य विशिष्टि एवं गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराया जाय।

(अनुपालनः— मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, गया/अधीक्षण अभियंता, सिचांई अंचल, गया/कार्यपालक अभियंता, तिलैया नहर प्रमंडल, वजीरगंज)

मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, भागलपुर परिक्षेत्राधीन

(i) **बरनार जलाशय योजना** :—

योजना की समीक्षा के क्रम में बताया गया कि वन भूमि अपयोजन की कार्रवाई प्रक्रियाधीन होने के कारण डैम का कार्य प्रारंभ नहीं किया जा सका है। योजना के कार्यान्वयन हेतु वांछित शेष गैर वन भूमि 307.43 एकड़ में से पुनपुन बराज योजना हेतु अधिग्रहित 102.98 एकड़ भूमि गैर वन–भूमि को हस्तांतरित किये जाने हेतु वन विभाग से सहमति हेतु अनुरोध किया गया है। शेष 204.45 एकड़ गैर वन–भूमि जिलाधिकारी, जमुई द्वारा चिन्हित की जा रही है।

निदेश दिया गया कि पुनपुन बराज योजना अंतर्गत पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग को हस्तांतरित किये जाने हेतु चिन्हित गैर वन–भूमि को हस्तांतरित करने निमित्त आवश्यक कार्रवाई शीघ्रताशीघ्र पूर्ण किया जाय। साथ ही जिलाधिकारी, जमुई से समन्वय कर गैर–वन भूमि चिन्हित करने की कार्रवाई शीघ्र पूर्ण करायी जाय।

मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, भागलपुर द्वारा बताया गया कि योजनांतर्गत बायें एवं दायें मुख्य नहर के निर्माण हेतु 140.42 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया जाना है। इस संबंध में संयुक्त मापी सर्वेक्षण प्रतिवेदन दिनांक 20.04.2026 को जिला भू–अर्जन कार्यालय में समर्पित है। जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, जमुई की अध्यक्षता में गठित कमिटी द्वारा भौतिक सत्यापन की कार्रवाई की जा रही है।

निदेश दिया कि जिला भू–अर्जन कार्यालय में लगातार संपर्क कर भू–अर्जन की कार्रवाई शीघ्र पूर्ण कराया जाय।

मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, भागलपुर द्वारा बताया गया कि योजनांतर्गत मुख्य नहर में पूर्व से निर्मित संरचनाओं को ध्वस्त करने की कार्रवाई की जा रही है। भूमिगत पाईपलाईन का एलाईन्मेंट निर्धारित किया चुका है। दायाँ मुख्य नहर का डिजाईन अनुमोदन की प्रक्रिया में है।

निदेश दिया गया कि योजना अंतर्गत सभी रूपांकण कार्य शीघ्र पूर्ण किया जाय एवं जिन स्थलों पर कार्य कराया जा सकता है, उन स्थलों पर शीघ्र कार्य प्रारंभ किया जाय।

(कार्रवाई:– मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, भागलपुर/अधीक्षण अभियंता, सिंचाई अंचल, जमुई/कार्यपालक अभियंता, सिंचाई प्रमंडल, झाझा/मुख्य अभियता, सिंचाई सृजन, औरंगाबाद/कार्यपालक अभियंता, पुनपुन बराज प्रमंडल–1 एवं 2, गोह/संवेदक)

(ii) बाढ़ अवधि में गंगा नदी के अधिशेष जल को बदुआ तथा खड़गपुर जलाशय में अंतरण कार्य :–

योजना की समीक्षा के क्रम में बताया गया कि योजनांतर्गत इन्टेक वेल–सह–पम्प हाउस कार्य स्थल पर मिट्टी फिलिंग कार्य लगभग 80 प्रतिशत किया चुका है। शीघ्र ही निर्माण कार्य प्रारंभ किया जायेगा। बिजीखोरवा सिंचाई कॉलोनी में डिटेंशन टैंक–सह–पम्प हाउस का निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया है, परन्तु पर्याप्त श्रमबल एवं मशीनरी के अभाव में कार्य बंद है। पाईपलाईन का लेईंग कार्य अंतर्गत कुल 70.65 कि०मी० के विरूद्ध 18.15 कि०मी० लम्बाई में लेईंग कार्य पूर्ण किया गया है, शेष कार्य प्रगति में है। योजना कार्य की भौतिक प्रगति काफी धीमी है।

निदेश दिया गया कि मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, भागलपुर योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए बाधा रहित सभी बिन्दुओं पर शीघ्र कार्य प्रारंभ किया जाय। साथ ही योजना अंतर्गत भू–अर्जन/विद्युत पोल शिफ्टिंग/वृक्ष पातन/विस्थापन/एन०ओ०सी० एवं अन्य बाधाओं को दूर करने के लिए संबंधित विभागों से लगातार समन्वय स्थापित कर शीघ्र निष्पादित कराते हुए कार्य कराया जाय। कार्य स्थल पर पर्याप्त मात्रा में श्रमबल एवं मशीनरी के साथ कार्य को निर्धारित समयावधि में पूर्ण कराना सुनिश्चित किया जाय।

(कार्रवाई:– मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, भागलपुर/अधीक्षण अभियंता, सिंचाई अंचल, खड़गपुर/कार्यपालक अभियंता, सिंचाई प्रमंडल, तारापुर/बिजीखोरवा/संवेदक)

(iii) अपर किउल जलाशय योजनांतर्गत मुख्य नहर के 0.00 से 19.60 कि०मी० तक पुनर्स्थापन एवं लाईनिंग कार्य :–

योजना की समीक्षा के क्रम में बताया गया कि योजना के कार्यान्वयन में कोई बाधा नहीं है। मुख्य नहर में 13.50 कि०मी० मिट्टी कार्य एवं 6.00 कि०मी० में लाईन्गि कार्य पूर्ण किया जा चुका है। शेष कार्य प्रगति में है। योजना की भौतिक प्रगति 30 प्रतिशत है।

निदेश दिया गया कि कार्य स्थल पर पर्याप्त मात्रा में श्रमबल एवं मशीनरी के साथ कार्य को निर्धारित समयावधि में पूर्ण कराना सुनिश्चित किया जाय।

(कार्रवाई:– मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, भागलपुर/अधीक्षण अभियंता, सिंचाई अंचल, जमुई/कार्यपालक अभियंता, सिंचाई प्रमंडल, सिकंदरा/जमुई/संवेदक)

(iv) <u>डकरानाला पम्प नहर योजना</u> :–

योजना की समीक्षा के क्रम में बताया गया कि योजना अंतर्गत वैट संरचना का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है। पम्प हाउस कार्य स्थल पर राफ्ट कास्टिंग पूर्ण हो चुका है। आर०सी०सी० वाल 22 मी० के विरूद्ध 9.60 मी० पूर्ण हो चुका है, शेष कार्य प्रगति में है। मुख्य नहर में 7.62 कि०मी० लाईन्गि कार्य के विरूद्ध 4.80 कि०मी० में लाईन्गि पूर्ण किया जा चुका है। फरदा वितरणी में 13.45 कि०मी० लाईन्गि कार्य के विरूद्ध 5.4 कि०मी० में मिट्टी कार्य पूर्ण किया जा चुका है। साथ ही संरचनाओं का कार्य भी पूर्ण किया गया है। शेष कार्य प्रगति में है। योजना के कार्यान्वयन में कोई बाधा नहीं है। योजना की भौतिक प्रगति 40.50 प्रतिशत है। योजना की पूनरीक्षित प्राक्कलित राशि रू० 251.07 करोड़ पर प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त करने की कार्रवाई प्रक्रियाधीन है।

निदेश दिया गया कि कार्य स्थल पर पर्याप्त मात्रा में श्रमबल एवं मशीनरी के साथ कार्य को निर्धारित समयावधि में पूर्ण कराना सुनिश्चित किया जाय।

(कार्रवाई:– मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, भागलपुर/अधीक्षण अभियंता, सिंचाई अंचल, खड़गपुर/कार्यपालक अभियंता, गंगा पम्प नहर प्रमंडल, मुंगेर/संवेदक)

(v) <u>सिंधवारणी जलाशय योजना</u> :–

योजना की समीक्षा के क्रम में बताया गया कि योजना अंतर्गत 12.26 हे० वन भूमि अपयोजन की कार्रवाई पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा प्रक्रियाधीन होने के कारण वीयर का निर्माण कार्य बाधित है। नहर प्रणाली में कुल 9.66 कि०मी० के विरूद्ध 7.56 कि०मी० में कार्य पूर्ण है। शेष भाग में भू–अर्जन एवं वन भूमि अपयोजन की कार्रवाई प्रक्रियाधीन होने के कारण नहीं कराया जा सका है। साथ ही अधिकांश संरचनाओं का कार्य करा लिया गया है।

वन भूमि अपयोजन हेतु 16 हे० गैर वन भूमि हस्तांतरण निमित स्टेज–1 की स्वीकृति प्राप्त है। अंतिम स्वीकृति हेतु 27 बिन्दुओं का अनुपालन किया जाना है, जिसमें से 26 बिन्दुओं का अनुपालन किया किया जा चुका है। अंतिम बिन्दु के अनुपालन के क्रम में गैर–वन भूमि का दाखिल–खारिज वन विभाग के नाम से किया जाना है, जिसके लिए सभी अभिलेख जिला भू–अर्जन कार्यालय, मुंगेर में जमा है एवं कार्रवाई प्रक्रियाधीन है।

निदेश दिया गया कि भू–अर्जन कार्यालय, मुंगेर में लगातार समन्वय स्थापित करते वन भूमि अपयोजन हेतु दाखिल–खारिज एवं भू–अर्जन की कार्रवाई शीघ्र पूर्ण कराया जाय।

(कार्रवाई:– मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, भागलपुर/अधीक्षण अभियंता, सिंचाई अंचल, खड़गपुर/कार्यपालक अभियंता, सिंचाई प्रमंडल, लक्ष्मीपुर/संवेदक)

(vi) <u>बटेश्वरस्थान गंगा पम्प नहर परियोजना</u> :–

योजना की समीक्षा के क्रम में बताया गया कि योजना अंतर्गत मुख्य नहर में 9.05 कि०मी० से 14.35 कि०मी० के बीच लाईन्गि एवं बिटुमिनस कार्य प्रगति में है। कुछ स्थलों पर

छोरकर शेष स्थलों पर लाईन्गि कार्य कराया लिया गया है। बिटुमिनस कार्य प्रगति में है। कार्य की भोतिक प्रगति 82 प्रतिशत है। शेष कार्य प्रगति में है। वंशीपुर लघुनहर का अवशेष कार्य हेतु माह सितम्बर 2025 में एकरारनामा किया गया है। कार्य की भौतिक प्रगति 8 प्रतिशत है। साथ ही कासरी उपवितरणी के अवशेष कार्य हेतु जनवरी 2026 में एकरारनामा किया गया है एवं कार्य की भौतिक प्रगति 3.5 प्रतिशत है। शाखा नहर –II एवं हरिशचन्द्रपुर वितरणी में उड़नदस्ता जाँच के कारण कार्य बाधित है।

निदेश दिया गया कि कार्य स्थल पर पर्याप्त मात्रा में श्रमबल एवं मशीनरी के साथ अवशेष कार्य को निर्धारित समयावधि में पूर्ण कराना सुनिश्चित किया जाय। साथ ही शाखा नहर –II एवं हरिशचन्द्रपुर वितरणी में उड़नदस्ता जाँच प्रतिवेदन शीघ्र प्राप्त करते हुए जाँच प्रतिवेदन के आलोक में नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित किया जाय।

(कार्रवाई:– मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, भागलपुर/अधीक्षण अभियंता, सिंचाई अंचल, भागलपुर/कार्यपालक अभियंता, गंगा पम्प नहर प्रमंडल, कहलगाँव/शिवनारायणपुर/संवेदक)

(vii) कुण्डघाट जलाशय योजना :–

योजना की समीक्षा के क्रम में बताया गया कि योजना अंतर्गत डैम का निर्माण पूर्ण हो चुका है। स्पिलवे में यांत्रिक कार्य एवं नहर प्रणाली का कार्य प्रगति में है। नहर की कुल लंबाई 23.06 कि०मी० के विरूद्ध 18.07 कि०मी० में कार्य पूर्ण करा लिया गया है एवं 1.00 कि०मी० में कार्य प्रगति में है। 3.99 कि०मी० में भू–अर्जन की कार्रवाई प्रक्रियाधीन होने के कारण कार्य नहीं किया जा सका है। कुल प्रावधानित 97 अदद संरचना के विरूद्ध 26 अदद संरचना के कार्य पूर्ण हो चुका है एवं 4 अदद प्रगतिधीन है। कार्य की भौतिक प्रगति 95 प्रतिशत है।

निदेश दिया गया कि कार्य स्थल पर पर्याप्त मात्रा में श्रमबल एवं मशीनरी के साथ अवशेष कार्य को निर्धारित समयावधि में पूर्ण कराना सुनिश्चित किया जाय। साथ ही भू–अर्जन कार्यालय में लगातार समन्वय करते हुए भू–अर्जन की कार्रवाई शीघ्र पूर्ण कराया जाय।

(कार्रवाई:– मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, भागलपुर/अधीक्षण अभियंता, सिंचाई अंचल, जमुई/कार्यपालक अभियंता, सिंचाई प्रमंडल, सिकंदरा/संवेदक)

मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, औरंगाबाद परिक्षेत्राधीन

(i) औरंगाबाद जिलांतर्गत "नगर परिषद् औरंगाबाद के अंतर्गत अदरी नदी का सौन्दर्यीकरण एवं नदी तट का विकास कार्य :–

योजना की समीक्षा के क्रम में बताया गया कि योजना अंतर्गत सीढ़ी घाट, पहुँच पथ तथा नाला का निर्माण कार्य प्रगतिधीन है, योजना अंतर्गत ओल्ड जी०टी० रोड के समीप अदरी पुल के अपस्ट्रीम एवं डाउनस्ट्रीम में दोनो बाँधों पर लगभग 700 मी० में अतिक्रमण है, बताया गया कि अतिक्रमण हटाने हेतु संबंधित अंचल कार्यालय द्वारा Notice जारी की गयी है एवं जिलाधिकारी द्वारा एक कमिटी का गठन करते हुए अतिक्रमणकारियों को अन्य स्थान पर विस्थापित करने की कार्रवाई प्रक्रियाधीन है। योजना की भौतिक प्रगति 23 प्रतिशत है।

निदेश दिया गया कि कार्य स्थल पर पर्याप्त मात्रा में श्रमबल एवं मशीनरी के साथ कार्य को निर्धारित समयावधि में पूर्ण कराना सुनिश्चित किया जाय। साथ ही अतिक्रमण हटाने हेतु जिला से समन्वय कर आवश्यक कर्रवाई की जाय।

(कार्रवाईः– मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, औरंगाबाद/अधीक्षण अभियंता, सोन उच्चस्तरीय नहर अंचल, औरंगाबाद/कार्यपालक अभियंता, सोन उच्चस्तरीय नहर प्रमंडल, औरंगाबाद/संवेदक)

(ii) औरंगाबाद जिलांतर्गत सोन नदी से उद्वह सिंचाई के माध्यम से विशुनपुर उपवितरणी के शेष कमाण्ड क्षेत्र को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने का कार्य :–

योजना की समीक्षा के क्रम में बताया गया कि योजना के कार्यान्वयन में कोई बाधा नहीं है। पाईप बिछाने का कार्य तथा नहर पुनर्स्थापन एवं लाईनिंग हेतु मिट्टी का कार्य प्रगति में है। योजना की भौतिक प्रगति मात्र 5.70 प्रतिशत है।

निदेश दिया गया कि कार्य स्थल पर श्रमबल एवं मशीनरी की समीक्षा करते हुए पर्याप्त मात्रा में श्रमबल एवं मशीनरी के साथ कार्य को निर्धारित समयावधि में पूर्ण कराना सुनिश्चित किया जाय।

(कार्रवाईः– मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, औरंगाबाद/अधीक्षण अभियंता, उत्तर कोयल नहर अंचल, औरंगाबाद/कार्यपालक अभियंता, उत्तर कोयल नहर प्रमंडल, नवीनगर/संवेदक)

(iii) बिहार भू–भाग अंतर्गत उत्तर कोयल जलाशय योजना के अवशेष कार्य :–

योजना की समीक्षा के क्रम में बताया गया कि योजनांतर्गत उत्तर कोयल दायाँ मुख्य नहर के पैकेज सं०–09 एवं 10 के कि०मी० 86.00 से कि०मी० 94.00 के मध्य आंशिक रूप से जल–जमाव को डिवाटरिंग कर कार्य प्रारंभ किया जाय। वर्तमान में योजना की भौतिक प्रगति 32.48 प्रतिशतं है।

मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, औरंगाबाद को निदेश दिया गया की संवेदक वाप्कोस लि० के साथ समीक्षा करते हुए जल–जमाव वाले स्थलों पर कार्य प्रारंभ की जाय।

(कार्रवाईः– मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, औरंगाबाद/अधीक्षण अभियंता, उत्तर कोयल नहर अंचल, औरंगाबाद/अधीक्षण अभियंता, उत्तर कोयल नहर अंचल, गया/कार्यपालक अभियंता, उत्तर कोयल नहर प्रमंडल, नवीनगर/अम्बा/औरंगाबाद/मदनपुर–शिविर–औरंगाबाद/ गया/संवेदक)

(iv) पटना मुख्य नहर के बायें बाँध–सह–सोन सुरक्षा तटबंध पर बैदराबाद में राष्ट्रीय राज्य मार्ग 139 (NH-139) से पालीगंज वितरणी के शीर्ष नियामक तक एवं पालीगंज वितरणी के सेवापथ पर पालीगंज शीर्ष नियामक से कोरियम मोड़ तक कालीकृत सड़क का निर्माण कार्यः–

योजना की समीक्षा के क्रम में बताया गया कि योजना का एकरारनामा दिनांक 29.04.2026 को किया गया है। वर्तमान में कार्य प्रगति में है।

निदेश दिया गया कि कार्य स्थल पर पर्याप्त मात्रा में श्रमबल एवं मशीनरी के साथ कार्य को निर्धारित समयावधि में पूर्ण कराना सुनिश्चित किया जाय।

(कार्रवाईः– मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, औरंगाबाद/अधीक्षण अभियंता, सोन उच्चस्तरीय नहर अंचल, औरंगाबाद/कार्यपालक अभियंता, सोन नहर प्रमंडल, खगौल/संवेदक)

मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, डिहरी परिक्षेत्राधीन

(i) जल–जीवन–हरियाली अभियान अंतर्गत टर्न–की आधार पर औरंगाबाद, डिहरी एवं सासाराम शहरों के लिए सेन नदी में उपलब्ध सतही जल का उपयोग करते हुए पेयजल उपलब्ध कराने का कार्यः–

योजना की समीक्षा के क्रम में बताया गया कि आवंटन के अभाव में योजना की वित्तीय प्रगति, भौतिक प्रगति के समानुपातिक नहीं है तथा योजना का विचलन प्रस्ताव प्रक्रियाधीन होने के कारण पाईप बिछाने तथा अन्य अवयवों में अपेक्षित प्रगति नहीं हो पा रहा है। वर्तमान में योजना की भौतिक प्रगति 74.11 प्रतिशतं है तथा वित्तीय प्रगति 59.76 प्रतिशत है।

निदेश दिया गया कि वित्त विभाग से बंधेज सीमा को शिथिल करने हेतु अनुरोध की जाय तथा विचलन प्रस्ताव यथाशीघ्र उपलब्ध करायी जाय।

(कार्रवाईः– मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, डिहरी/अधीक्षण अभियंता, सोन बराज अंचल, इन्द्रपुरी/अधीक्षण अभियंता, योजना एवं मोनिटरिंग अंचल–01/03/कार्यपालक अभियंता, सोन बराज प्रमंडल, इन्द्रपुरी/सिंचाई प्रमंडल डिहरी/संवेदक)

(ii) जल–जीवन–हरियाली अभियान अंतर्गत टर्न–की आधार पर भभुआ एवं मोहनियॉ शहरों के लिए सतही जल का उपयोग करते हुए पेयजल उपलब्ध कराने का कार्य :–

- मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, डिहरी द्वारा बताया गया कि योजना की अद्यतन भौतिक प्रगति 43.10 प्रतिशत तथा वित्तीय प्रगति 49.09 प्रतिशत है। आगामी पक्ष हेतु भौतिक प्रगति का लक्ष्य 2 प्रतिशत रखा गया है। जिसके संबंध में पृच्छा करने पर बताया गया कि पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग से Wildlife Clearance एवं Forest Clearance अप्राप्त रहने के कारण कार्य की भौतिक प्रगति में अपेक्षित तेजी नहीं हो पा रहा है।
- कार्यपालक अभियंता, दुर्गावती बांध प्रमंडल–1, भीतबरीबांध द्वारा बताया गया कि भीतरीबॉंध कॉलोनी अंतर्गत WTP के निर्माण कार्य स्थल पर Tree cutting हेतु DFO, कैमूर द्वारा कार्यकारी अनुमति निर्गत करने हेतु प्राक्कलन उपलब्ध कराया गया है। वांछित राशि के भुगतान की कार्रवाई की जा रही है।
- WTP अंतर्गत वैसी संरचनायें जिनके निर्माण स्थल पर कोई बाधा नहीं है, उनके भौतिक प्रगति कम रहने के संबंध में कार्यपालक अभियंता, दुर्गावती बांध प्रमंडल–1, भीतरी बांध द्वारा बताया गया कि संवेदक को श्रमबल में वृद्धि करते हुए तेजी से कार्य करने हेतु निदेशित किया गया है।
- बैठक में संवेदक प्रतिनिधि उपलब्ध नहीं थें, जिस पर अप्रसन्नता व्यक्त की गयी एवं मुख्य अभियंता को निदेशित किया गया कि संवेदक से इस संबंध में कारण–पृच्छा की जाय तथा आगामी बैठक में संवेदक की उपस्थिति सुनिश्चित करायी जाय।

निदेश दिया गया कि भीतरीबॉंध कॉलोनी में Tree cutting हेतु आवश्यक कार्रवाई शीघ्र पूर्ण किया जाय तथा संवेदक द्वारा समर्पित Work Programme के अनुरूप प्रगति नहीं होने पर नियमानुकूल कार्रवाई सुनिश्चित किया जाय।

(कार्रवाईः– अभियंता प्रमुख, सिंचाई सृजन/अभियंता प्रमुख, मुख्यालय/मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, डिहरी/अधीक्षण अभियंता, सिंचाई अंचल, भभुआ/ अधीक्षण अभियंता, दुर्गावती निर्माण अंचल,

भीतरीबांध/कार्यपालक अभियंता, सिंचाई प्रमंडल, भभुआ/ कार्यपालक अभियंता, दुर्गावती बांध प्रमंडल–1, भीतबरीबांध)

(iii) उद्वह सिंचाई योजना सहित मलई बराज योजना का निर्माण कार्य :–

- मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, डिहरी द्वारा बताया गया कि योजना की भौतिक प्रगति 03 प्रतिशत है तथा आगामी पक्ष में 03 प्रतिशत का लक्ष्य रखा गया है।
- कार्यपालक अभियंता, सिंचाई प्रमंडल, नावागनर द्वारा बताया गया कि स्थल पर Sheet Pile Driving में कठिनाई होने के कारण कार्य की प्रगति प्रभावित हो रही है।
- समीक्षा के दौरान संवेदक/संवेदक प्रतिनिधि उपस्थिति नहीं थें, जिस पर अप्रसन्न्ता व्यक्त की गयी एवं मुख्य अभियंता को निदेशित किया गया कि संवेदक से इस संबंध में कारण–पृच्छा की जाय तथा आगामी बैठक में संवेदक की उपस्थिति सुनिश्चित करायी जाय।

निदेश दिया गया कि योजना कार्य की प्रगति Work Programme/Milestone से कम रहने के कारणों की समीक्षा कर नियमानुकूल कार्रवाई सुनिश्चित किया जाय।

(अनुपालनः– मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, डिहरी/अधीक्षण अभियंता, सोन बराज अंचल, अंचल, इन्द्रपुरी/ कार्यपालक अभियंता, सिंचाई प्रमडल, नावानगर)

(iv) सोन–कोहिरा लिंक सिंचाई योजना :–

- कार्यपालक अभियंता, सोन उच्चस्तरीय नहर प्रमंडल, भभुआ द्वारा बताया गया कि योजना की भौतिक प्रगति 34.15 प्रतिशत है एवं आगामी पक्ष में 10 प्रतिशत का लक्ष्य रखा गया है तथा योजना को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करा लिया जायेगा।
- योजनान्तर्गत भू–अर्जन की स्थिति के संबंध में कार्यपालक अभियंता, सोन उच्चस्तरीय नहर प्रमंडल, भभुआ द्वारा बताया गया कि 08 अदद् रैयतों से लगभग 1.86 हे० भू–अर्जन किया जाना है, जिसमें 07 अदद् रैयतों से सहमति पत्र प्राप्त कर लिया गया है।
- पोल शिफ्टींग के संबंध में बताया गया कि उर्जा विभाग से पोल शिफ्टींग हेतु प्राक्कलन प्राप्त हो गया है, जिसपर मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, डिहरी से अनुमोदन प्राप्त कर कार्य के संवेदक को पोल शिफ्टींग करने हेतु निदेशित किया गया है।

निदेश दिया गया कि भू–अर्जन एवं पोल शिफ्टींग संबंधी कार्यों का निष्पादन शीघ्र करना सुनिश्चित किया जाय। लाईनिंग कार्य में Compaction/Curing का विशेष रूप से ध्यान दिया जाय तथा कार्यों को विशिष्ट एवं गुणवत्ता के अनुरुप ससमय पूर्ण करायी जाय।

(अनुपालनः– मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, डिहरी/अधीक्षण अभियंता, सिंचाई अंचल, भभुआ/ कार्यपालक अभियंता, सोन उच्चस्तरीय नहर प्रमंडल, भभुआ)

(v) जमानियाँ से ककरैत गंगाजल उद्वह सिंचाई योजनाः–

- मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, डिहरी द्वारा बताया गया कि योजनान्तर्गत उत्तर प्रदेश भू–भाग में भू–अर्जन किया जाना है, जिसके लिए परिक्षेत्राधीन एक सहायक अभियंता एवं दो कनीय अभियंताओं को मिलाकर त्रि–सदस्यीय 10 अदद् टीम गठित कर ग्रामवार प्रतिनियुक्त किया

गया है। उक्त टीम द्वारा रैयतों से सहमति प्राप्त किया जा रहा है। शीघ्र ही निबंधन संबंधी कार्रवाई प्रारंभ की जायेगी।

निदेश दिया गया कि योजना के कार्यान्वयन के लिए आवश्यक भूमि का क्रय शीघ्र करना सुनिश्चित किया जाय।

(अनुपालनः– मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, डिहरी/अधीक्षण अभियंता, सिंचाई अंचल, भभुआ/कार्यपालक अभियंता, जमानियाँ पम्प नहर प्रमंडल, मोहनियाँ)

(vi) <u>कर्मनाशा मुख्य नहर विस्तार एवं कुल्हड़िया वितरणी का पुर्नस्थापन एवं लाईनिंग कार्य।</u>

- कार्यपालक अभियंता, सिंचाई प्रमडल, भभुआ द्वारा बताया गया कि योजना की भौतिक प्रगति 61.10 प्रतिशत है तथा वर्तमान में संवेदक द्वारा कर्मनाशा मुख्य नहर विस्तार एवं कुल्हड़िया वितरणी में कार्य कराया जा रहा है।
- विभागीय निदेश के आलोक में IIT, पटना से जाँच कराने संबंध में बताया गया कि IIT, पटना से Invoice प्राप्त हो गया है। भुगतान की कार्रवाई की जा रही है।
- मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, डिहरी द्वारा बताया गया कि योजना अंतर्गत कर्मनाशा मुख्य नहर एवं रूईया माईनर में Expansive Soil पाये जाने के कारण NIT, पटना द्वारा आर०सी०सी० लाईनिंग एवं अन्य कार्यों को कराने हेतु सुझाव दिया गया है, जिसके आलोक में केन्द्रीय रूपांकण संगठन से रूपांकण में आवश्यक संशोधन कराया जा रहा है।
- मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, डिहरी द्वारा बताया गया कि उपरोक्त के आलोक में योजना कार्य के स्वरूप में परिवर्तन एवं योजना की लागत राशि में अप्रत्याशित वृद्धि होगी। अतएव वर्तमान में एकरारनामा को Foreclose करने हेतु अधीक्षण अभियंता एवं कार्यपालक अभियंता द्वारा प्रस्ताव उपलब्ध कराया गया है, जिसकी समीक्षा कर अग्रेत्तर कार्रवाई हेतु विभाग को उपलब्ध कराया जायेगा।

निदेश दिया गया कि योजना की स्थिति की समीक्षा कर Foreclosure प्रस्ताव शीघ्र उपलब्ध करावें।

(अनुपालनः– मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, डिहरी/अधीक्षण अभियंता, सिंचाई अंचल, भभुआ/कार्यपालक अभियंता, सिंचाई प्रमडल, भभुआ)

Sd/- 26.05.26
(अनवर जमील)
अभियंता प्रमुख, सिंचाई सृजन

ज्ञापांक : पी०एम०सी०–03(टी०)ए०–15/2003–पार्ट–XVIII–1213 पटना, दिनांक :27/05/26

प्रतिलिपि :मुख्य अभियंता, सिंचाई सृजन, नालंदा, बिहारशरीफ/गया/भागलपुर/औरंगाबाद/डिहरी को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित। निदेश दिया जाता है कि अपने–अपने स्तर से संबंधित पदाधिकारियों को कार्यवाही की प्रति उपलब्ध कराते हुए अनुपालन कराना सुनिश्चित किया जाय।

Sd/- 26.05.26
अभियंता प्रमुख, सिंचाई सृजन

ज्ञापांक : पी०एम०सी०–03(टी०)ए०–15/2003–पार्ट–XVIII- 1213 पटना, दिनांक : 27/05/26
प्रतिलिपि : सचिव, जल संसाधन विभाग के प्रधान आप्त सचिव को सूचनार्थ प्रेषित।

26.05.26
अभियंता प्रमुख, सिंचाई सृजन

ज्ञापांक : पी०एम०सी०–03(टी०)ए०–15/2003–पार्ट–XVIII- 1213 पटना, दिनांक : 27/05/26
प्रतिलिपि : कार्यपालक अभियंता, आई०टी०, जल संसाधन विभाग, पटना को आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

26.05.26
अभियंता प्रमुख, सिंचाई सृजन